सूरह अल-असर

बिस्मिल्लाह-हिर्रहमान-निर्रहीम

शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से जो निहायत रेहम करने वाला है।

- **वल अस् र**

इस गुज़रते ज़माने की क़सम है।

- **इन्नल इनसाना लफ़ी खुस् र**

बे शक इंसान घाटे में है।

- **इल्लल लज़ीना आमनू वा आमिलुस सालीहाती वता वासौ बिल हक्क वता वासौ बिस सब्र**

सिवाय उन लोगो के जो लोग ईमान लाये और नेक अमाल किये और हक़ पर क़ायम रहे और एक दूसरे को हर और सब्र की ताक़ीद दी।

Deeniyat.com